आय सृजन गतिविधि

व्यवसाय योजना घृतकुमारी की खेती 2022

एसएचजी/नाम	:	लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएसनाम	:	रोपडी
एफटीयू / रेंज	:	सुकेत
डीएमयू/मंडल	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित
पीआईएचपीफेम और एल

द्वारा तैयार:-
डीएमयू सुकेत, एफटीयू सुकेत और लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह

सामग्री तालिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ
1	परिचय	3-4
2	कार्यकारी सारांश	4
3	स्वयं सहायता समूह का विवरण	4-6
4	गांव का भौगोलिक विवरण	7-8
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	8
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	8
7	उत्पादन योजना का विवरण	8-10
8	बिक्री और विपणन	10
9	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
10	स्वोट अनालिसिस	11
11	संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	11-16
12	परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	11-15
13	लाभ लागत विश्लेषण (3 वर्ष)	16
14	निधियों के संसाधन और निधि की आवश्यकता	16
15	ब्रेक की गणना - यहां तक कि बिंदु	17
16	व्यवसाय योजना आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन	17
17	कार्यकारी सारांश	17
18	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	17-18
19	उत्पादन योजना का विवरण	18
20	मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	18-19
21	अर्थशास्त्र का विवरण	20-21
22	वित् आवश्यकता	21-22
23	ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	22
24	आय के अन्य स्रोत	23
25	अनुलग्नक	24-25

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

रोपड़ी वीएफडीएस के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो एसएचजी का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " लक्ष्मी " जिसका सम्बन्ध घृतकुमारी की खेती से है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत होती है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने घृतकुमारी की खेती करने का फैसला लिया । व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी जानकारी मशीन सेवा प्रदाता द्वारा प्रदान की गई । दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल सुकेत, विनीता कुमारी फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर सुकेत वन परिक्षेत्र, जगरनाथ वन रक्षक, जड़ोल बीट और वीरेन्दर ठाकुर, वनखंड अधिकारी, वन खंड सदर शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि प्र व से के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

2. कार्यकारी सारांश

रोपड़ी वन ग्रामीण विकास समिति:-

रोपड़ी वन ग्रामीण विकास समिति सुंदर नगर वन मण्डल में सुकेत रेंज के वन खंड सदर, जडोल बीट के अंतर्गत आता है।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

रोपड़ी में स्थित गणेश मंदिर के लिए प्रसिद्ध है । यह क्षेत्र अपने आम और लीची फलों के लिए जाना जाता है जिनकी मौसम के दौरान विशेष मांग होती है।

परिवारों की संख्या	81
बीपीएल परिवार	10=12.34%
कुल जनसंख्या	332
कुल मवेशी	214

3. स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह का गठन जुलाई 2020 में रोपड़ी वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान महिलाएं शामिल हैं।

लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह एक महिला समूह है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने घृतकुमारी की खेती करने का फैसला किया। घृतकुमारी की खेती जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 20 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पिता का नाम/ पति	पद	श्रेणी	आयु	शैक्षणिक योग्यता	मोब नंबर
1.	श्रीमती सोमलता देवी	खेम चन्द	प्रधान	सामान्य	49	आठवी	70184 07512
2	श्रीमती गिरजा देवी	संजय कुमार	सेक्रेटरी	सामान्य	39	दसवी	98053 56421
3	श्रीमती कमला देवी	रोशन लालू	सदस्य	सामान्य	46	पांचवी	86270 38718
4	श्रीमती लता देवी	देश राज	सदस्य	सामान्य	39	10+2	94180 90823
5	श्रीमती दया देवी	टीभलु राम	सदस्य	सामान्य	41	दसवी	89884 92880
6	श्रीमती मीरा देवी	हरि सिंह	सदस्य	अनुसूचित जाति	34	दसवी	78768 38932
7	श्रीमती रोशनी	रूप लाल	सदस्य	अनुसूचित जाति	41	आठवी	97362 69675
8	श्रीमती प्रोमिला	खेम राज	सदस्य	अनुसूचित जाति	29	10+2	62308 95090
9	श्रीमती निर्मला	शिव राम	सदस्य	अनुसूचित जाति	31	दसवी	90154 88737
10	श्रीमती इंद्रा देवी	हेम चन्द	सदस्य	सामान्य	56	पांचवी	86298 79741
11	श्रीमती निशा देवी	दिनेश कुमार	सदस्य	सामान्य	28	10+2 ~~ग्रेजुएट~~	7018233059
12	श्रीमती रमा देवी	देश राज	सदस्य	सामान्य	32	दसवी	98058 50630
13	श्रीमती चंपा देवी	शुंकू राम	सदस्य	अनुसूचित जाति	47	पांचवी	94180 57321
14	श्रीमती रतनी देवी	हंस राज	सदस्य	अनुसूचित जाति	43	अनपढ़	98173 92139
15	श्रीमती भरू देवी	गोदावर राम	सदस्य	अनुसूचित जाति	60	अनपढ़	88944 32891
16	श्रीमती रोशनी देवी	नाग राज	सदस्य	अनुसूचित जाति	50	अनपढ़	94183 52086
17	श्रीमती हिमा देवी	हेम राज	सदस्य	अनुसूचित जाति	37	अनपढ़	98821 60172
18	श्रीमती कौशल्या देवी	श्याम लाल	सदस्य	सामान्य	42	10+2	85806 64027
19	श्रीमती सत्या देवी	खजाना राम	सदस्य	अनुसूचित जाति	48	अनपढ़	98817 79358
20	श्रीमती चिंता देवी	जीत राम	सदस्य	अनुसूचित जाति	31	दसवी	85807 38494

लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह रोपड़ी

2.1.	स्वयं सहायता समूह का नाम	::	लक्ष्मी
2.2	एसएचजीसीआईजी एमआईएस कोड / संख्या	::	-
2.3	ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	रोपड़ी
2.4	फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	::	सुकेत
2.5	डीएमयूवन मंडल का नाम/	::	सुकेत
2.6	गांव	::	रोपड़ी
2.7	खंड	::	सुंदर नगर
2.8	ज़िला	::	मंडी
2.9	स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	20
2.10	गठन की तिथि	::	जुलाई 2020
2.11	बैंक का नाम और विवरण	::	पीएनबी जड़ोल IFSC कोड PUNB0203200
2.12	बैंक खाता संख्या	::	2032000100112851
2.13	एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100 / -माह
2.14	कुल बचत	::	12000/-
2.15	कुल अंतर-ऋण	::	हाँ
2.16	नकद ऋण सीमा	::	-
2.17	चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	:	30 किमी
3.2	मुख्य मार्ग से दूरी	: :	0 किमी
3.3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	सुंदर नगर, 6 किलोमीटर , मंडी 30 किमी लगभग ।
3.4	प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	सुंदर नगर , 6 किलोमीटर , मंडी 30 किलोमीटर लगभग
3.5	प्रमुख शहरों के नाम जहां	:	सुंदर नगर , जड़ोल

	उत्पादों को बेचाविपणित किया जाएगा/	:	
3.6	पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (केवीके) (बागवानी विभाग) और और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

4.1	उत्पाद का नाम	::	घृतकुमारी
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि घृतकुमारी की खेती से उनकी आय में वृद्धि होगी। इसके अलावा वे आमतौर पर अपनी सब्जी की फसल सुंदर नगर मार्केट में बेचने जाते हैं। मार्केट लिंकेज पहले से ही मौजूद हैं। उन्हें घृतकुमारी को बेचने के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा।
4.3	एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन प्रक्रियाएं।

घृतकुमारी की खेती के प्रशिक्षण की व्यवस्था रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के द्वारा जेआईसीए परियोजना के माध्यम से की गई है। स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाती है।

समूह ने शुरू में घृतकुमारी की खेती करने का फैसला किया। जैसे ही मानसून के मौसम में समूह द्वारा एलोवेरा का रोपण पूरा किया जायेगा और बरसात के आगे वाले महीने घृतकुमारी के पौधों के विकास के लिए अधिक उपयुक्त होते हैं। समूह का प्रत्येक सदस्य एलोवेरा के पौधे संलग्न सूची के अनुसार आपूर्ति करेगा और समूह सदस्य द्वारा अपनी भूमि में लगाया जाएगा।

समूह के सदस्य इस घृतकुमारी के पौधे स्वयं रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के देख रेख में लगाएंगे और विफलता को दूर करने के लिए हर वर्ष में देखभाल और रखरखाव करेंगे। पत्तियों के रूप में कच्चे माल का उत्पादन दो वर्ष पूरे

होने के बाद उपलब्ध होता है इसलिए व्यवसाय योजना को दूसरे वर्ष से 5 वें वर्ष तक उत्पादन के लिए प्रस्तावित किया जाता है।

समूह के सदस्य कृषि गतिविधियों से मुक्त होंगे और खली समय में काम करेंगे और शुरुआत में रोपण के समय पूर्णकालिक उपलब्ध होंगे।

उत्पादन योजना का विवरण:

6.1	उत्पादन चक्र 1st (2 वर्ष)	::	मंडी जिले में घृतकुमारी की खेती जुलाई से सितंबर तक की जा सकती है। क्षेत्र में प्रोपेग्यूल्स लगाने पर, एलोवेरा को कम से कम 2 साल लगते हैं, प्रत्येक रोपे गए प्रोपेग्यूल्स से उनकी पहली दो पत्तियां उपलब्ध होती हैं। वहाँ के बाद हर साल दो से तीन पत्ते। उत्पादन के रूप में उपलब्ध हैं, इसके अलावा तीसरे वर्ष से प्रत्येक संयंत्र से प्रोपेग्यूल भी उपलब्ध हैं अतिरिक्त क्षेत्र को फिर से लगाने के लिए लिया जा सकता है। कुल 2 साल में। फसल की पहली दो निचली पत्तियों को लेने की आवश्यकता होती है । 3 फसलों (प्रत्येक में 2-3 पत्तियां) का उत्पादन चक्र 5 वर्ष का होगा। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:- पत्तियों के रूप में पहली उपज (2वर्ष) दूसरी उपज पत्तियों के रूप में (1वर्ष) तीसरी उपज पत्तियों के रूप में (1वर्ष) पत्तियों के रूप में चौथी उपज (1वर्ष)
6.2	जनशक्ति की आवश्यकता	::	प्रारंभ में पूरा समूह अपनी निजी भूमि में रोपण के लिए चयनित क्षेत्र में गड्ढों या खाइयों को खोदने और प्रोपेग्यूल लगाने के लिए एक साथ काम करेगा, यह समूह के सदस्य की उपयुक्तता के अनुसार किया जाएगा।
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के माध्यम से प्राप्त किया जायेगा
6.4	अन्य का स्रोत साधन।	::	उपरोक्त
6.5	(i) रोपण के लिए आवश्यक मात्रा	::	घृतकुमारी = 25,000 No

6.6	पहले 2 वर्षों में अपेक्षित उत्पादन	::	25,000 पौधों से घृतकुमारी का औसत उत्पादन लगभग 75 टन है और 7 रुपये के हिसाब से रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के द्वारा खरीद की जाएगी

विपणन / बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाजार स्थान	::	जड़ोल , मंडी , सुंदर नगर ।`
7.2	इकाई से दूरी	::	जड़ोल 2 किमी सुंदर नगर 6 किमी और मंडी 30 किमी
7.3	बाजार में उत्पाद की मांग		एलोवेरा जेल की मांग है।
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	बद्दी , हिमाचल प्रदेश में चल रहे कारखानों के रूप में अच्छी तरह से स्थापित है
7.5	बाजार पर मौसमी का प्रभाव।	::	चूंकि उत्पाद औषधीय और कॉस्मेटिक मूल्यों का है और इसलिए मौसम का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	::	रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के द्वारा खरीद की जाएगी और संभावित बाजार खरीदार आयुर्वेदिक और कॉस्मेटिक कारखाने हैं और फेस पैक आदि के लिए स्थानीय खरीदार भी हैं।
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	::	रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के द्वारा खरीद की जाएगी।
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	::	वर्ष में तीन बार जब पत्तियों को समूह के सदस्यों की सुविधा के लिए काटा जाएगा या यदि कोई हो तो मांग की जाएगी। मांग होने पर पते/ जूस/जेल निकाला जाता है और आपूर्ति की जाएगी
7.9	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति।	::	रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के द्वारा खरीद की जाएगी। इसके अलावा फेस पैक, जूस निर्माण इकाइयाँ और सुंदर नगर शहर और उसके आसपास का आयुर्वेद तत्पश्चात उत्पादन में वृद्धि होने पर खुदरा विक्रेताओं से उनके उत्पाद को शुद्ध दर या कमीशन के आधार पर बेचने के लिए भी संपर्क किया जाएगा।
7.10	उत्पाद ब्रांडिंग।	::	" रोपड़ी घृतकुमारी "
7.11.	उत्पाद नारा	::	***" घृतकुमारी जेल लगाओ " ख़ूबसूरत हो जाओ "***

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेंगे और दैनिक कार्य संचालन, विपणन, लिंकेज साथ विभाग तथा साथ VFDS

अनुलग्नक-I के रूप में संलग्न है

SWOT विश्लेषण

क्रम संख्या	विवरण / आइटम	:	विवरण
1.	ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, स्थानीय और सामाजिक वातावरण के अनुकूल हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पाद उच्च गुणवत्ता और मांग का है, क्योंकि सदस्य किसान हैं इसलिए वे खेती की गतिविधियों से परिचित हैं पहली फसल उगाने का चक्र लंबा है यानी 2 वर्ष, 1 चक्र के बाद एक वर्ष के अंतराल के बाद उत्पादन उपलब्ध होगा पहली बार घृतकुमारी प्रोपेग्यूल्स की आपूर्ति की जाएगी उसके बाद प्रोपेग्यूल समूह के साथ ही उपलब्ध होंगे। एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा।
2.	कमज़ोरी	::	नया स्वयं सहायता समूह, एलोवेरा जेल उत्पादन में अनुभव की कमी
3.	अवसर	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
4.	धमकी	::	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, और उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी

संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

अनु क्रमांक	क्षमता जोखिम	:	उपायों प्रति कम करना
1.	1. कभी-कभी	:	खाद डालने की रोपण तकनीकों से अच्छी तरह परिचित हों
	पौधरोपण तकनीक की जानकारी का अभाव	:	
	की फसल मृत्यु दर में वृद्धि हो सकती है		
	2.बाजार	:	रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के द्वारा खरीद की जाएगी।
	परिपूर्णता		
2.	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	: :	कारण को मिटाने के लिए संघर्षों को प्रारंभिक चरण में निपटाया जाना है। समूह के सभी सदस्यों के लिए समान जोखिम, समान लाभ साझा करने की आवश्यकता हर सदस्य को सम्मान और सम्मान दें।
3.	बाज़ार		रुद्रा हर्ब्स गलोड़ के द्वारा खरीद की जाएगी।
4.	उत्पादन	:	बाजार के हिसाब से धीरे-धीरे उत्पादन को बढ़ाया जाएगा

परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण पहला चक्र -

क्रमांक	गतिविधियां	इकाइ	मात्रा	मूल्य	लागत
1	वीएफडीएस से सीआईजी का गठन	1			
ए	**परियोजना की लागत**				
	पूंजी लागत				
ए.1	रोपण सामग्री की लागत	25,000	1 एचएसी	20.70	**517500**
.2	कृषि उपकरण	लगभग		लगभग	**7000**
ए.3	छीलने की मशीन	1			**200000**
ए.4	बॉटलिंग यूनिट	1			**50000**
	कुल (ए.1+ए.2+ए.3+ए.4)				**774500**

पहले चक्र की आवर्ती लागत (2 वर्ष)	
किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (एलोवेरा उत्पाद संग्रहण के साथ-साथ कार्यालय के प्रसंस्करण के लिए) @ रु 1000 / माह (24 माह)	24000
फॉर्मेलिन	600
श्रमिकों की मजदूरी/खेतों की सफाई, नालियों की बनवाई और 25000 नं. @ रु . का रोपण 5/पौधा	125000
पौधों की ढुलाई का श्रम (10 मानव दिवस @300	3000
परिवहन	1000
सामग्री की पैकेजिंग 10 मानव दिवस @ 300	3000
बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	24000
विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	1500
पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	75000
एक चक्र की आवर्ती लागत=	**257100**
कुल परियोजना लागत (ए+बी)= 774500 + 257100= 1031600	**1031600**

लाभ विश्लेषण प्रथम चक्र:-

क्रम संख्या	विशिष्ट	इकाई	मात्रा/नहीं	भाव	राशि (रु.)
ए	**पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%**	वर्षों	2	10%	**154900**
बी	**2 साल के लिए आवर्ती लागत**				
1.	किराए के कमरे की लागत 1 हॉल (एलोवेरा उत्पाद के साथ-साथ कार्यालय के प्रसंस्करण के लिए) @ रु 1000 / माह। (24 माह)				24000

2.	फॉर्मेलिन				600
3.	श्रमिकों की मजदूरी/खेतों की सफाई, नालियों की बनवाई और 25000 नं. @ रु . का रोपण 5/पौधा				125000
6.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	न	12500	6	75000
8.	श्रम द्वारा पौधों की ढुलाई 10 मानव दिवस @300				3000
9.	परिवहन				1000
10.	सामग्री की पैकेजिंग और वृक्षारोपण क्षेत्र से पत्तियों का संग्रह 10 मानव दिवस @300				3000
1 1।	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह				24000
12.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)				1500
	कुल बी				**257100**
	कुल (ए+बी)				**412000**
13.	**कुल उत्पादन किग्रा.**	**पते** 75000 **किग्रा**			
14.	**किलो में उत्पादन की बिक्री।**	**पते 75000 किग्रा @** 7 **रुपये**			525000
				कुल	**525000**
15.	**कुल लाभ**	**525000 - (154900 +257100)**			113000
16.	**सकल लाभ**	**कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 113000+24000+131000=268000**			**268000**

लागत लाभ विश्लेषण दूसरा चक्र (तीसरा वर्ष)

क्रम संख्या	**विशिष्ट**	**इकाई**	**मात्रा/नहीं**	**भाव**	**इसमें राशि (रु.)**
ए	**पूंजीगत लागत पर मूल्यह्रास 10%**	साल	1	10%	**77450**
बी	1 वर्ष के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराए के कमरे की कीमत 1 **हॉल** (एलोवेरा जेल) @ रु.1000/माह। (12 महीने)	महीना	12	1000	12000
2.	प्रत्येक बोतल में 250 युक्त फॉर्मेलिन।	न	2 बोतल	300	600
3.	श्रम मजदूरी 60 दिन =(@ रु 300/दिन)	दिन	60	300	18000

	= रु 18000				
4.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	न	12500	6	75000
5.	यातायात भुगतान	-	-	-	5000
6.	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	12	1000	12000
7.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		एल/एस	-	1500
8.	**कुल बी**				**124100**
	कुल (ए+बी)				**201550**
9.	**कुल उत्पादन किग्रा.**	**पते** 75000 **किग्रा**			
10.	**किलो में उत्पादन की बिक्री।**	**पते 75000 किग्रा @** 7 **रुपये**			525000
				कुल	**525000**
1 1।	**कुल लाभ**	**525000 - (77450 + 124100)**			**323450**
12.	**सकल लाभ**	**कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरे का किराया 323450+(18000+12000) =505200**			**353450**

आय		
प्रत्यक्ष आय		
(i) पहला चक्र (पहले दो वर्ष) घृतकुमारी		113000
(ii) दूसरा चक्र (तीसरा वर्ष) घृतकुमारी		323450
	कुल प्रत्यक्ष आय	**436450**
अप्रत्यक्ष आय		
श्रम मजदूरी		
(i) पहला चक्र		131000
(ii) दूसरा चक्र		18000
	कुल	**149000**
कमरे का किराया		
(i) पहला चक्र		24000
(ii) दूसरा चक्र		12000
	कुल	**36000**

कुल अप्रत्यक्ष आय	**185000**
कुल आमदनी	**621450**

अर्थशास्त्र का सारांश

(a) दो चक्रों की उत्पादन लागत

क्रमांक।	**विशिष्ट**	**राशि रुपये में**
1	**कुल आवर्ती लागत** **(i) पहला चक्र (पहले दो साल)** घृतकुमारी **(ii) दूसरा चक्र (तीसरा वर्ष)** घृतकुमारी **कुल**	 257100 124100 **381200**
2	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास मूल्य (3 साल)।	232350
	कुल	**613550**

(b) उत्पादन लागत का सार

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	आवर्ती लागत	381200
2	पूंजी पर 10% मूल्यह्रास मूल्य लागत	232350
	कुल	**613550**

(c) बिक्री मूल्य का आकलन

अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**राशि (रु.)**
1	आवर्ती लागत 381200/75000)	किलोग्राम	5.08
2	निश्चित लाभ 27%	किलोग्राम	1.92
	कुल		**7**
3.	**बाजार कीमत**	**किलोग्राम**	**7**

लाभ लागत विश्लेषण (3 वर्ष)

अनु क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	**पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास (ए)**	232350
2	**आवर्ती लागत (बी)**	
2.1	कमरे का किराया	36000
2.2	श्रम	149000
2.3	फॉर्मेलिन	1200
2.4	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	150000
2.5	यातायात भुगतान	10000
2.6	बिजली और पानी का उपयोग	36000
2.7	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)	3000
2.9	परिवहन	1000
	कुल	**386200**
3	एलोवेरा पते का कुल उत्पादन	150000किग्रा
4	एलोवेरा पते का बिक्री मूल्य	1050000
	कुल	**1050000**
5	कुल लाभ = बिक्री मूल्य- (पूंजीगत लागत + आवर्ती लागत) =1050000-(232350+381200)	436450
7	सकल लाभ = कुल लाभ + श्रम मजदूरी + कमरा किराया =436450+149000+36000	621450

निधियों के संसाधन और निधि की आवश्यकता

क्रमांक	संसाधनों का विवरण	राशि रुपये में	टिप्पणी
1	774500 की पूंजीगत लागत पर परियोजना का हिस्सा (75%)	774500	शरुवाती दौर मे पूंजीगत लागत का शत प्रतिशत परियोजना वहन करेगी परन्तु गुजरते समय के साथ समूह से 25% लाभार्थी अंशदान लिया जायेगा
2.	अब तक का मासिक योगदान	34000	
	कुल	**808500**	

- स्वयं सहायता समूह को बैंक से ऋण लेने के लिए परिक्रामी निधि के रूप में एक लाख की राशि प्रदान की जाएगी।

- शरुवाती दौर मे पूंजीगत लागत का 100% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा, परन्तु गुजरते समय के साथ समूह की जैसे जैसे आमदनी बढ़ेगी, उस परिस्थिति में समूह से 25% का लाभार्थी अंशदान लिया जायेगा

ब्रेक की गणना - यहां तक कि बिंदु

ब्रेक-ईवन पॉइंट = पूंजीगत लागत/बिक्री/किग्रा.-आवर्ती लागत/किग्रा।

=774500/7 –1.92

=774500/5.08=152461 किलो

152461 किलो घृतकुमारी के पते की बिक्री के बाद तीन साल बाद ब्रेक ईवन प्वाइंट हासिल किया जा सकता है

टिप्पणियां:

समूह का आगामी दृष्टिकोण आचार्य की अतिरिक्त गतिविधियों को शुरू करके अपनी आय में वृद्धि करना है चटनी और आम पापड़ और अचार के अन्य रूप, समूह द्वारा प्रस्तावित हैं क्योंकि पहले दो वर्ष इस अवधि के दौरान निष्क्रिय अवधि हैं, उपरोक्त गतिविधि प्रस्तावित है और व्यवसाय नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन द्वारा

लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

अचार बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में गलगल, आंवला आदि का अचार और आंबला का चूर्ण बनाया जाएगा। यह गतिविधि इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय मे की जाएगी। अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं. उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह गलगल और आंवला के अचार का निर्माण करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है

एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह गलगल, आंवला आदि का अचार बनाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय में की जाएगी।
- अचार बनाने की प्रक्रिया में लगभग 7 दिन लगते हैं।
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पीसने, मिश्रण, सुखाने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।
- प्रारंभ में समूह मौसम के दौरान इलाके में उपलब्ध स्थानीय फलों के लिए प्रति माह 100 किलो अचार का निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जिसमें समान उत्पादन प्रक्रिया का उपयोग होता है ।

उत्पादन योजना का विवरण

गलगल के अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	7 दिन
आंवला अचार का उत्पादन चक्र (दिनों में)		7 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय सामग्री
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
गलगल के अचार के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)	::	50 किलो गलगल के अचार के लिए 40 किलो गलगल और 10 किलो मसाला चाहिए
आंवला के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलोग्राम)		50 किलो आंवला अचार के लिए 35 किलो आंवला और 15 किलो मसाला चाहिए
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	50 किलो प्रत्येक

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशि प्रति किलो (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन मासिक (किग्रा)
1	गलगल	किलोग्राम	महीने के	100	20	2000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	
1	आंवला	किलोग्राम	महीने के	100	30	3000	125
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	25	150	3750	

मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	मंडी 32 किमी, सुंदरनगर 08 किमी।
2	इकाई से दूरी	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	दैनिक मांग

4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य, स्थानीय होटल व्यवसायियों से उनकी मांग के लिए हर महीने संपर्क करेंगे और बाजार में मांग, खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन / सूची करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	स्वयं सहायता समूह सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	" रोपड़ी गलगल का अचार और चटनी"

स्वोट विश्लेषण

ताकत -

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- घर का बना, कम लागत

कमजोरी -

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा ।

मौका -

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- दुकानों फास्टफूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक व्यापारी, कैंटीन रेस्तरां और रसोइया गृहिणियों में उच्च मांग बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग ।

खतरे / जोखिम -

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव ।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी ।
- प्रतिस्पर्धी बाजार ।

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समुह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। (श्रम विभाग)

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात - कच्चे माल का संग्रह आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	**पूंजी लागत**			
अनु क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	ग्राइंडर मशीन (1-2 एचपी)	1	18000	18,000
2	मिक्सर	2	4000	8,000
3	सब्जी निर्जलीकरण	1	40000	40,000
4	तोल मशीन	1	2000	2,000
5	रसोईघर के उपकरण		लगभग	8000
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक		लगभग	8000
7	हाथ से संचालित जार सीलिंग मशीन	1	15000	15000
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि	5	लगभग	1000
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**1,00,000**

बी।	**आवर्ती लागत**				
अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	गलगल	किग्रा/माह	100	20	2000
2	कच्चा माल (मसाला)	किग्रा/माह	50	150	7500
3	आंवला	किग्रा/माह	100	30	3000
4	पैकेजिंग सामग्री	महीना	लगभग	5000	5000
5	परिवहन	महीना	1	1000	1000
6	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1000	1000
7	आचार के दो क्विंटल उत्पादन के लिए दो घंटे / दिन। 03 दिन के लिए पांच महिलाओं के कुल 30 घंटे जोकि 8 घंटे के हिसाब से श्रम लागत 04 दिन@ 300/- /दिन	दिन	04	300	1200
	आवर्ती लागत				**20700**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	20700
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10000
कुल	**30700**

गलगल के अचार का विक्रय मूल्य गणना(प्रति चक्र)		
विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
बनाने की कीमत	किलोग्राम	82.8
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	200

आंवला अचार के लिए बिक्री मूल्य गणना (प्रति चक्र)		
विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
बनाने की कीमत	किलोग्राम	143
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	200-300
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	240

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10000
कुल आवर्ती लागत	9850
प्रति माह कुल उत्पादन गलगल का अचार (किलोग्राम)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	200
आय सृजन (200*125)	25000
प्रति माह कुल उत्पादन आंवला अचार (किलो)	125
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	240
आय सृजन (240*125)	30000
शुद्ध लाभ	मासिक आधार पर 34300-
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।
	लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
	IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	100000	50000	50000
कुल आवर्ती लागत	20700	0	20700
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50,000	50,000	0

कुल	**170700**	**100000**	**70700**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 50% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समुह योगदान	• पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)

= 100000/ (200-82.80)

= 854 किलो

इस प्रक्रिया में 854 किलो आचार बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा ।

आय के अन्य स्रोत:

ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की गलगल, आवला, दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से आय।

बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 774500/-

आवर्ती लागत = 257100/-

घृतकुमारी की खेती के लिए कुल =1031600/-

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 100000/-

आवर्ती लागत = 20700/-

आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन परियोजना के लिए कुल = 120700/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 1152300/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थी अंशदान**	**कुल लागत**
1.	**घृतकुमारी की खेती**	774500	257100	774500*	257100	1031600
2.	**आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन**	100000	20700	50000	70700	120700
	कुल	**874500**	**277800**	**824500**	**327800**	**1152300**

*शरुवाती दौर मे पूंजीगत लागत का शत प्रतिशत परियोजना वहन करेगी परन्तु गुजरते समय के साथ समूह से 25% लाभार्थी अंशदान लिया जायेगा

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (घृतकुमारी की खेती गतिविधि एवं आचार बनाना और इसका मूल्यवर्धन) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्रम संख्या	नाम	पिता का नाम/ पति	पद	हस्ताक्षर
1.	श्रीमती सोमलता देवी	खेम चन्द	प्रधान	SOMLata
2	श्रीमती गिरजा देवी	संजय कुमार	सेक्रेटरी	Girja Devi
3	श्रीमती कमला देवी	रोशन लालू	सदस्य	कमला देवी
4	श्रीमती लता देवी	देश राज	सदस्य	Leela Devi
5	श्रीमती दया देवी	टीभलु राम	सदस्य	दया देवी
6	श्रीमती मीरा देवी	हरि सिंह	सदस्य	Meera Devi
7	श्रीमती रोशनी	रूप लाल	सदस्य	रोशनी देवी
8	श्रीमती प्रोमिला	खेम राज	सदस्य	Promila Devi
9	श्रीमती निर्मला	शिव राम	सदस्य	Nirmla Devi
10	श्रीमती इंद्रा देवी	हेम चन्द	सदस्य	इन्द्रा देवी
11	श्रीमती निशा देवी	दिनेश कुमार	सदस्य	निशा देवी
12	श्रीमती रमा देवी	देश राज	सदस्य	रमा देवी
13	श्रीमती चंपा देवी	शुंकू राम	सदस्य	चम्पा देवी
14	श्रीमती रतनी देवी	हंस राज	सदस्य	रतनी देवी
15	श्रीमती भरू देवी	गोदावर राम	सदस्य	भरू देवी
16	श्रीमती रोशनी देवी	नाग राज	सदस्य	रोशनी देवी
17	श्रीमती हिमा देवी	हेम राज	सदस्य	हिमा देवी
18	श्रीमती कौशल्या देवी	श्याम लाल	सदस्य	कौशल्या देवी
19	श्रीमती सत्या देवी	खजाना राम	सदस्य	सत्या
20	श्रीमती चिंता देवी	जीत राम	सदस्य	चिन्ता देवी

Ginja Devi

हस्ताक्षर
सचिव स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर Som Lata
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
प्रधान ,वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी

डीएमयू द्वारा अनुशंसित

Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sunder Nagar (H.P.)

पी एफ यू द्वारा स्वीकृत